Total No. of Questions - 9] [Total Pages : 5

(2081)

8931

P.G. Diploma in Guidance and Counselling Examination

COUNSELLING FOR EXCEPTIONAL CHILDREN AND ADOLESCENTS

Paper–III

(Semester–I)

Time : Three Hours] [Maximum Marks : 80

The candidates shall limit their answers precisely within the answer-book (40 pages) issued to them and no supplementary/ continuation sheet will be issued.

परीक्षार्थी अपने उत्तरों को दी गयी उत्तर-पुस्तिका (40 पृष्ठ) तक ही सीमित रखें। कोई अतिरिक्त पृष्ठ जारी नहीं किया जाएगा।

Note : Attempt *five* questions in all. Section-A is compulsory having 8 short answer questions of 16 marks. Section B, C, D and E consist of two questions each out of which candidate is required to attempt *one* question from each section carrying 16 marks each.

नोट : कुल **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। खण्ड-अ अनिवार्य है तथा जिसमें 8 लघु उत्तरीय प्रश्न कुल 16 अंक के हैं। खण्ड ब, स, द तथा य प्रत्येक में दो प्रश्न हैं और जिसमें से परीक्षार्थी को **एक-एक** प्रश्न का उत्तर देना है, प्रत्येक प्रश्न 16 अंक का है।

SECTION–A

(खण्ड-अ)

Compulsory Question

(अनिवार्य प्रश्न)

1. Answer the following in short :

   (a) Importance of counselling of students with different abilities.

   (b) Needs of children with different abilities.

   (c) Identify of personal problems of Children (5 to 12 years) at elementary level.

   (d) Meaning of Individual counselling.

   (e) Meaning of case study.

   (f) Identify of academic needs of adolescents (13 to 18 years) at secondary level.

   (g) Meaning of yoga.

   (h) Write the name of different case study. (2×8=16)

   निम्नलिखित के संक्षेप में उत्तर दीजिए :

   (क) दिव्यांग विद्यार्थियों के परामर्शन का महत्त्व।

   (ख) दिव्यांग बालकों की आवश्यकताएँ।

   (ग) प्रारम्भिक स्तर पर बालकों (5 से 12 वर्ष तक) की व्यक्तिगत समस्याओं की पहचान करना।

   (घ) वैयक्तिक परामर्शन का अर्थ।

   (ङ) इतिवृत्त अध्ययन का अर्थ।

(च) द्वितीयक स्तर पर किशोरों (13 से 18 वर्ष तक) की शैक्षिक आवश्यकताओं की पहचान करना।

(छ) योग का अर्थ।

(ज) विभिन्न इतिवृत्त अध्ययन के नाम लिखिए।

SECTION–B

(खण्ड-ब)

2. Discuss the needs and problems of children with different abilities. (8+8)

दिव्यांग बालकों की आवश्यकताओं तथा समस्याओं की विवेचना कीजिए।

3. Explain in detail the types of different abilities. (16)

दिव्यांगता के विभिन्न प्रकारों का विस्तारपूर्वक वर्णन कीजिए।

SECTION–C

(खण्ड-स)

4. How can a teacher identify the social and vocational needs and problems of adolescents (13 to 18 years) at secondary level? Explain. (8+8)

द्वितीयक स्तर पर किशोरों (13 से 18 वर्ष तक) की सामाजिक तथा व्यावसायिक आवश्यकताओं और समस्याओं को कोई अध्यापक कैसे पहचान सकता है? वर्णन कीजिए।

5. What are the different problem areas? Discuss stress as a cause of physical and social behavior problems. (4+6+6)

समस्या के विभिन्न क्षेत्र कौन-कौन से हैं? भौतिक तथा सामाजिक व्यवहार समस्याओं के कारण के रूप में तनाव की विवेचना कीजिए।

SECTION–D

(खण्ड-द)

6. What do you mean by individual counselling? How emotional and social counselling can help to solve the problems of children? (4+6+6)

वैयक्तिक परामर्शन से आपका क्या अभिप्राय है? संवेगात्मक तथा सामाजिक परामर्शन किस प्रकार बालकों की समस्याओं के समाधान में सहायता करता है?

7. Meaning of relaxation strategies. How these strategies used for reducing stress and other related problems of adolescents? (4+12)

विश्रान्ति कार्यनीतियों का अर्थ बताइए। ये कार्यनीतियाँ किशारों के तनाव तथा अन्य सम्बन्धित समस्याओं को कम करने में किस प्रकार प्रयुक्त की जाती हैं?

SECTION–E

(खण्ड-य)

8. Explain the concept and importance of case study. (16)

इतिवृत्त अध्ययन की अवधारणा तथा महत्त्व का वर्णन कीजिए।

9. Explain method used in case study of exceptional children. (16)

विशिष्ट बालकों के इतिवृत्त अध्ययन में प्रयुक्त विधि का वर्णन कीजिए।